गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

आई.ए.एस. प्रोबेशनरी अधिकारियों का विश्वविद्यालय में भ्रमण

पंतनगर। 17 जुलाई 2025। तीन–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत आई.ए.एस. (प्रोबेशनरी) अधिकारियों द्वारा प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग में भ्रमण कर कृषि मशीनरी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों और कृषको के लिए उपयोगी नवीन कृषि यंत्रों एवं तकनीको की जानकारी आईसीएआर से वित्त पोषित परियोजना एआईसीआरपी आन ईएएआई के तहत परियोजना समन्वयक डा. आर.एन. पटेरिया द्वारा दी गयी। उन्होंने कहा कि बायोचर यंत्र में पत्तियां या खरपतवार एवं अन्य बायोमास को 50 में से 60 फीसदी ही जलाया जाता है, फिर दूसरी खप डाल दी जाती है। यह प्रक्रिया तब तक दोहराते है जब तक पूरा यंत्र न भर जाए, जिसके बाद कोल पाउडर यानी बायोचार निकलता है। इसमें पानी, चिकनी मिट्टी व गोबर आदि मिलाकर पेस्ट बनाया जाता है और ब्रिकेट तैयार किए जाते हैं।